Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara

M.A. Semester-1
CC-1(Advance General Psychology)
Unit-2 (Learning)

## शास्त्रीय अनुबन्धन सिद्धांत (Classical Conditioning Theory)

शास्त्रीय अनुबन्धन (Classical Conditioning) का सिद्धांत रूसी वैज्ञानिक इवान पैवलॉव (Ivan Pavlov) ने दिया था। पैवलॉव कुत्तों पर प्रयोग कर रहे थे और उन्होंने पाया कि कुछ प्रतिक्रियाएँ (responses) सीखने की प्रक्रिया से जुड़ी होती हैं।

### मुख्य विचार (Main Idea):

जब कोई तटस्थ उत्तेजना (Neutral Stimulus – NS) बार-बार किसी अप्रशिक्षित उत्तेजना (Unconditioned Stimulus – UCS) के साथ प्रस्तुत की जाती है, तो वह स्वयं भी प्रतिक्रिया उत्पन्न करने लगती है।

यही सीखी हुई प्रतिक्रिया शास्त्रीय अनुबन्धन (Classical Conditioning) कहलाती है।

### महत्वपूर्ण शब्दावली (Key Terms):

1. अप्रशिक्षित उत्तेजना (Unconditioned Stimulus – UCS):

स्वाभाविक रूप से प्रतिक्रिया उत्पन्न करने वाली उत्तेजना।

उदाहरण: भोजन (Food)

2. अप्रशिक्षित प्रतिक्रिया (Unconditioned Response – UCR):

UCS पर स्वाभाविक और स्वत: होने वाली प्रतिक्रिया।

उदाहरण: भोजन देखकर लार टपकना।

Edit with WPS Office

3. तटस्थ उत्तेजना (Neutral Stimulus – NS):

जो अपने आप कोई प्रतिक्रिया उत्पन्न नहीं करती।

उदाहरण: घंटी की आवाज़।

4. प्रशिक्षित उत्तेजना (Conditioned Stimulus – CS):

जब NS को बार-बार UCS के साथ प्रस्तुत किया जाता है तो वह स्वयं प्रतिक्रिया उत्पन्न करने लगती है।

उदाहरण: घंटी की आवाज़ भोजन से जुड़ने के बाद।

5. प्रशिक्षित प्रतिक्रिया (Conditioned Response – CR):

CS पर होने वाली सीखी हुई प्रतिक्रिया।

उदाहरण: घंटी की आवाज़ पर लार टपकना।

**पैवलॉव का प्रयोग (Pavlov's Experiment):**

- पैवलॉव ने कुत्तों पर प्रयोग किया।
- उन्होंने घंटी (NS) बजाई और साथ में भोजन (UCS) दिया।
- कुत्तों ने भोजन पर लार टपकाई (UCR)।
- कुछ बार दोहराने के बाद, केवल घंटी (CS) बजाने पर भी कुत्तों ने लार टपकाना शुरू कर दिया।
- यह सीखी हुई प्रतिक्रिया (CR) कहलाती है।

**सिद्धांत की प्रक्रिया (Process of Classical Conditioning):**

1. Acquisition (अर्जन): सीखने की प्रारंभिक अवस्था जब NS और UCS बार-बार जोड़े जाते हैं।

Edit with WPS Office

2. Extinction (लोप): यदि CS को बार-बार UCS के बिना प्रस्तुत किया जाए तो CR धीरे-धीरे खत्म हो जाती है।

3. Spontaneous Recovery (स्वतः पुनर्प्राप्ति): कुछ समय बाद CS पर CR फिर से आ सकती है।

4. Generalization (सामान्यीकरण): CS से मिलती-जुलती उत्तेजनाओं पर भी CR होना।

5. Discrimination (भेदभाव): केवल विशेष CS पर ही CR होना और अन्य पर न होना।

उदाहरण (Examples):

बच्चा डॉक्टर के इंजेक्शन से डरता है। बाद में डॉक्टर का सफेद कोट देखकर भी वह डरने लगता है।

विज्ञापनों में मीठा संगीत और सुंदर दृश्य (NS) को प्रोडक्ट (UCS) के साथ जोड़ा जाता है, ताकि लोग प्रोडक्ट देखकर ही सकारात्मक भावना महसूस करें।

निष्कर्ष (Conclusion):

शास्त्रीय अनुबन्धन सिद्धांत यह दिखाता है कि व्यवहार सीखा जा सकता है, और नई परिस्थितियों में भी प्रतिक्रिया को विकसित किया जा सकता है। यह सिद्धांत शिक्षा, मनोचिकित्सा, विज्ञापन, तथा व्यवहार संशोधन (Behaviour Modification) में बहुत उपयोगी है।

:

Edit with WPS Office